RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
अगस्त
02
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

न्याय बंधु
Pro Bono Legal Services

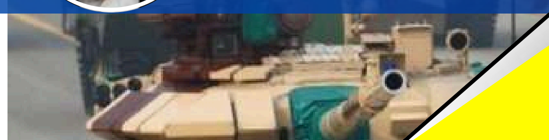

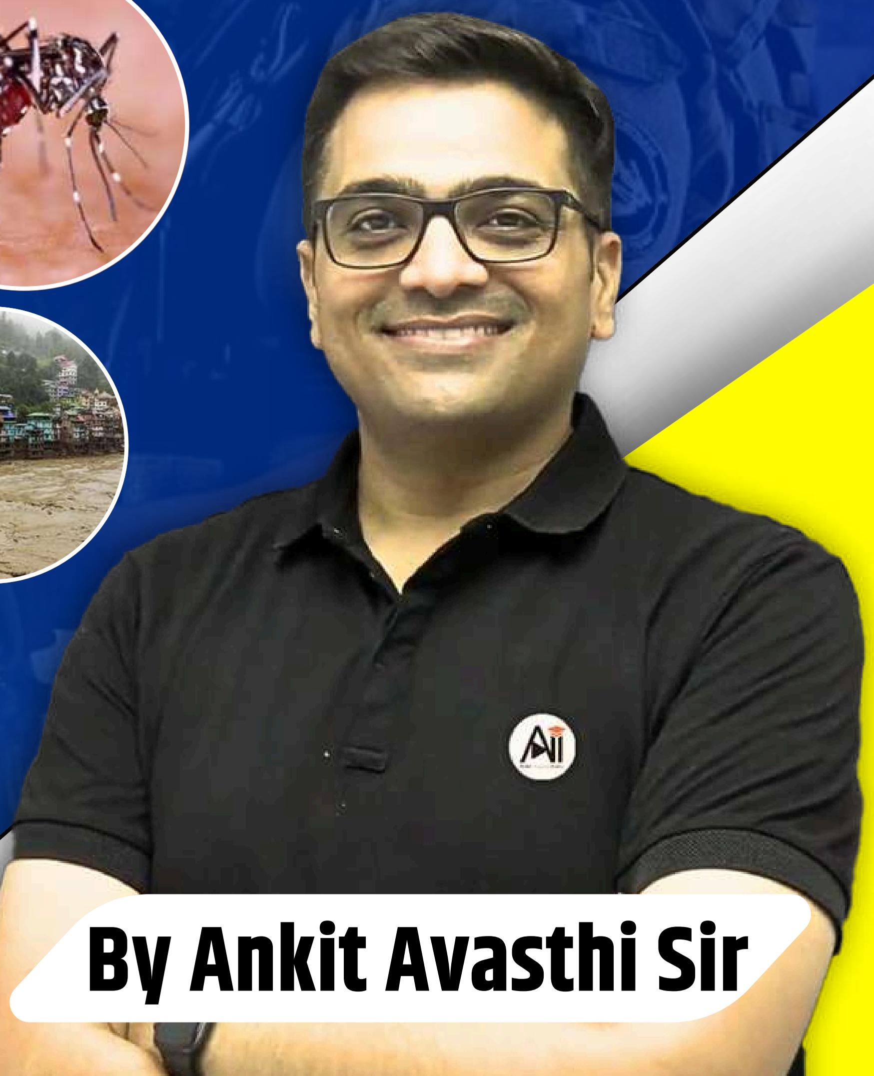

By Ankit Avasthi Sir

भारत और मोरक्को के बीच समझौते पर हस्ताक्षर / Agreement Signed between India and Morocco

संदर्भ:

भारत और मोरक्को ने न्यायिक और कानूनी सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से एक पारस्परिक कानूनी सहायता संधि (Mutual Legal Assistance Treaty - MLAT) और एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच आपराधिक मामलों में सूचना आदान-प्रदान, कानूनी प्रक्रियाओं में सहयोग और न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्मरणपत्र समझौता (MoU) की मुख्य विशेषताएँ:

- **अनुभवों का आदान-प्रदान:** न्यायिक प्रणालियों और मंत्रालयों की कार्यप्रणाली से संबंधित अनुभव साझा करना।
- **कानूनी प्रकाशनों का आदान-प्रदान:** कानूनी दस्तावेज़, बुलेटिन और विधायी सामग्री का पारस्परिक आदान-प्रदान।
- **क्षमता निर्माण (Capacity Building):** सम्मेलन, संगोष्ठी और कानूनी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संयुक्त आयोजन।
- **प्रशिक्षण एवं प्रतिनिधिमंडल विनिमय:** एक-दूसरे के कार्यक्रमों में दौरे, कानूनी प्रशिक्षण और विशेषज्ञ भागीदारी को बढ़ावा देना।
- **न्यायिक सूचना प्रणाली में सहयोग:** कानूनी सूचना प्रणालियों का विकास व तकनीकी नवाचारों का साझा उपयोग।
- **कार्यान्वयन तंत्र:** एक संयुक्त समन्वय समिति (Joint Coordination Committee) का गठन, जो दोनों पक्षों की वित्तीय क्षमताओं के अनुरूप वार्षिक सहयोग कार्यक्रमों की योजना बनाएगी।

म्यूचुअल लीगल असिस्टेंस ट्रीटी (MLAT) की प्रमुख विशेषताएँ:

उद्देश्य: नागरिक और वाणिज्यिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता के माध्यम से **न्यायिक और कानूनी क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना।**

सहायता का दायरा:

- **समन की सेवा:** न्यायिक दस्तावेज़ों और कानूनी प्रक्रियाओं की सेवा में सहायता।
- **साक्ष्य संग्रहण:** अनुरोध पत्र के माध्यम से साक्ष्य लेना।
- **न्यायिक निर्णयों का क्रियान्वयन:**
  - **मोरक्को** में: न्यायिक निर्णयों का क्रियान्वयन।
  - **भारत** में: डिक्री, समझौते और मध्यस्थता पुरस्कारों (arbitral awards) का क्रियान्वयन।

भारत में नोडल मंत्रालय:

- भारत सरकार के **Allocation of Business Rules** के अनुसार, **गृह मंत्रालय (Ministry of Home Affairs)** आपराधिक कानून मामलों में परस्पर कानूनी सहायता हेतु **मुख्य मंत्रालय** और **केंद्रीय प्राधिकरण** है।

मोरक्को: एक परिचय-

स्थान (Location):

- मोरक्को **उत्तरी अफ्रीका** के **मघरेब क्षेत्र (Maghreb Region)** में स्थित है।
- यह देश **उत्तरी और पश्चिमी गोलार्ध (Northern & Western Hemispheres)** में आता है।

सीमाएँ (Borders):

- **दक्षिण में:** वेस्टर्न सहारा (Western Sahara)
- **पूर्व में:** अल्जीरिया (Algeria)
- **पश्चिम में:** अटलांटिक महासागर (Atlantic Ocean)
- **उत्तर में:** भूमध्य सागर (Mediterranean Sea)
- यह **एकमात्र अफ्रीकी देश** है जिसकी सीमाएं दोनों समुद्रों से मिलती हैं।

महत्वपूर्ण शहर (Major Cities):

- **कैसाब्लांका (Casablanca):**
  - मोरक्को का सबसे बड़ा शहर
  - अटलांटिक महासागर के किनारे स्थित
  - देश का **औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र**

राजधानी (Capital): रबात (Rabat)

सरोगेसी / Surrogacy

संदर्भ:

सुप्रीम कोर्ट ने सरोगेसी के ज़रिए संतान प्राप्ति के इच्छुक दंपतियों के लिए निर्धारित आयु सीमा को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस मुद्दे से जुड़े कानूनी प्रावधान सहायक प्रजनन तकनीक (नियमन) अधिनियम, 2021 और सरोगेसी (नियमन) अधिनियम, 2021 के तहत तय किए गए हैं।

सरोगेसी (Surrogacy) क्या है?

- यह ऐसी प्रक्रिया है जिसमें एक महिला किसी **दंपत्ति के लिए गर्भवती होती है** और **बच्चे के जन्म के बाद उसे सौंप देती है**।
- यह केवल **नि:स्वार्थ (altruistic)** उद्देश्य से और उन **दंपत्तियों के लिए अनुमति प्राप्त** है जो **बांझपन या गंभीर रोग से पीड़ित** हैं।
- **व्यावसायिक (commercial) सरोगेसी** पर **प्रतिबंध** है – जैसे कि लाभ के लिए सरोगेसी, वेश्यावृत्ति या किसी भी प्रकार का शोषण।

गर्भपात (Abortion) से संबंधित नियम:

- सरोगेसी में गर्भपात केवल:
  - **सरोगेट मां की सहमति** से
  - **प्राधिकृत अधिकारियों की मंजूरी** से
  - और **Medical Termination of Pregnancy Act** के तहत ही किया जा सकता है।

सरोगेसी के लिए दंपत्ति की पात्रता (Eligibility of Intended Couple):

आवश्यक प्रमाणपत्र: दंपति को दो प्रमाणपत्र प्राप्त करने होंगे:

1. **Eligibility Certificate (पात्रता प्रमाणपत्र)**
2. **Essentiality Certificate (आवश्यकता प्रमाणपत्र)**

Eligibility के लिए शर्तें:

- **5 साल की शादी** जरूरी।
- पत्नी की आयु: **23 से 50 वर्ष**
- पति की आयु: **26 से 55 वर्ष**
- **एकल महिला (Single woman)**: **35 से 45 वर्ष की उम्र**, केवल विधवा या तलाकशुदा ही पात्र।

बच्चा न होने की शर्त:

- दंपत्ति के पास **कोई जीवित संतान** नहीं होनी चाहिए – चाहे वह जैविक, गोद लिया हुआ या सरोगेसी से हुआ हो।
- **अपवाद (Exemption)**: यदि संतान मानसिक/शारीरिक रूप से अक्षम है या घातक बीमारी से पीड़ित है।

Essentiality Certificate के लिए शर्तें:

- **किसी एक साथी का बांझपन**, जिसे **District Medical Board** द्वारा प्रमाणित किया गया हो।
- **सरोगेट मां के लिए 16 महीने की बीमा सुरक्षा**, जिससे प्रसवोत्तर जटिलताओं को कवर किया जा सके।

सरोगेट मां की पात्रता:

- **दंपत्ति की करीबी रिश्तेदार** होनी चाहिए।
- **विवाहित महिला**, जिसकी **खुद की संतान हो**।
- आयु: **25 से 35 वर्ष**
- वह **केवल एक बार ही सरोगेसी कर सकती है**।
- उसे **चिकित्सकीय और मानसिक रूप से फिट** होने का प्रमाणपत्र अनिवार्य है।

नियमन (Regulation):

- एक **राष्ट्रीय सरोगेसी बोर्ड (NSB)** और **राज्य सरोगेसी बोर्ड (SSB)** का गठन अनिवार्य है।
- कार्य:
  - सरोगेसी क्लीनिकों के लिए मानक तय करना,
  - उल्लंघनों की जांच करना,
  - आवश्यक संशोधन सुझाना।

दंडनीय अपराध:

- **व्यावसायिक सरोगेसी**, भ्रूणों की बिक्री, शोषण या सरोगेट बच्चे को त्यागना – **अपराध हैं**।
- सजा: **10 साल तक की कैद और 10 लाख रुपये तक का जुर्माना**।

मलेरिया / Malaria

संदर्भ:

मलेरिया उन्मूलन के प्रयासों में वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय प्रगति हुई है, फिर भी यह बीमारी हर साल लगभग **6 लाख लोगों** की जान लेती है। भारत ने 2015 से 2023 के बीच मलेरिया मामलों में 80% की कमी दर्ज की है, लेकिन आदिवासी बहुल उच्च-प्रभावित क्षेत्रों में अभी भी गंभीर चुनौतियाँ बनी हुई हैं। देश ने 2030 तक मलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य तय किया है, जिसे अगली पीढ़ी के टीकों, स्वदेशी अनुसंधान और बहुआयामी रणनीतियों के माध्यम से हासिल करने की योजना है।

मलेरिया की वर्तमान स्थिति :

1. वैश्विक स्थिति (Global Burden)-

- वर्ष 2023 में मलेरिया के कारण दुनियाभर में लगभग **294 मिलियन (29.4 करोड़)** लोग संक्रमित हुए और **6 लाख मौतें** दर्ज की गईं।

2. प्रगति में रुकावट (Stagnation in Progress)-

- मलेरिया उन्मूलन की वैश्विक गति रुक गई है, क्योंकि:
  - परजीवी (parasite) ने दवाओं के प्रति **प्रतिरोध (resistance)** विकसित कर लिया है।
  - मच्छर अब कई कीटनाशकों से **बचने में सक्षम** हो गए हैं।

3. भारत की उपलब्धि (India's Reduction)-

- भारत ने **2015 से 2023** के बीच मलेरिया मामलों में **80% से अधिक की कमी** की है।

4. संवेदनशील क्षेत्र (Persistent Pockets)-

- कुछ जनजातीय ज़िले अब भी उच्च संक्रमण दर के शिकार हैं:
  - **लॉन्गतलाई (मिज़ोरम)** – प्रति 1,000 में 56 केस
  - **नारायणपुर (छत्तीसगढ़)** – प्रति 1,000 में 22 केस

5. परजीवी की चुनौती (Species Challenge)-

- भारत में दो प्रकार के मलेरिया परजीवियों से लड़ाई है:
  - **Plasmodium falciparum** – अधिक जानलेवा
  - **Plasmodium vivax** – बार-बार लौटने वाला

6. लक्षणहीन वाहक (Asymptomatic Carriers)-

- कुछ संक्रमित व्यक्ति **बिना लक्षणों** के होते हैं, जो मलेरिया फैलाते हैं।
- **झारखंड** जैसे राज्यों में करीब **20% मलेरिया मामलों** में यह स्थिति देखी गई है।

मलेरिया वैक्सीन विकास की स्थिति:

पहली पीढ़ी की वैक्सीन्स:

1. **RTS,S वैक्सीन (2021)**
   - शुरुआती सुरक्षा: लगभग **55% तक**
   - **18 महीनों** में प्रभाव कम हो गया
   - **चौथी बूस्टर खुराक** की ज़रूरत पड़ी
2. **R21/Matrix-M वैक्सीन (2023)**
   - विकसित: **ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय** और **सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया**
   - **WHO की मंज़ूरी** मिली – 2023 में
   - **प्रभावशीलता**: लगभग **77% तक**
   - **कम खुराकों में असरदार** और **भारत में सस्ती कीमत पर उत्पादन**

सीमितताएँ (Limitations)

- दोनों वैक्सीन्स केवल **एक चरण (stage)** के परजीवी को निशाना बनाती हैं
- इस कारण **दोबारा संक्रमण** और **संक्रमण का प्रसार** संभव रहता है

नवीन और उन्नत वैक्सीन्स:

1. **PfSPZ वैक्सीन**
   - इसमें **किरणों से कमज़ोर किया गया P. falciparum परजीवी** इस्तेमाल होता है
   - **शिरा (IV)** के माध्यम से दिया जाता है
   - तीसरी खुराक के बाद **79% तक सुरक्षा** मिली
2. **PfSPZ-LARC2**
   - यह PfSPZ का **संशोधित एक-खुराक संस्करण** है
   - उद्देश्य: **दूरदराज़ क्षेत्रों** और **आपातकालीन प्रकोप (outbreak) वाले इलाकों** में तेज़ असर
3. **PfRH5 वैक्सीन**
   - यह परजीवी के **रक्त-चरण (blood-stage)** के **RH5 प्रोटीन** को निशाना बनाता है
   - विशेषता: **सभी स्ट्रेन पर असरदार**
   - परीक्षण: **यूके, गांबिया, बुर्किना फासो** में सकारात्मक परिणाम मिले

फ्लैश फ्लड / Flash Floods

संदर्भ:
आईआईटी गांधीनगर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि भारत में अचानक आने वाली बाढ़ (फ्लैश फ्लड) अब पहले की तुलना में अधिक बार और गंभीर रूप से आने लगी हैं।

फ्लैश फ्लड क्या होती है?

- फ्लैश फ्लड तेज बारिश के 6 घंटे के भीतर अचानक आने वाली बाढ़ होती है।
- यह अधिकतर **ढलानदार क्षेत्रों**, **खराब जल निकासी वाले इलाकों**, या **सूखी/भीगी मिट्टी** में होती है।
- सामान्य बाढ़ की तुलना में इसकी **कोई पूर्व चेतावनी नहीं होती**, इसलिए यह अधिक जानलेवा होती है।

भारत में फ्लैश फ्लड का प्रभाव:

1. जनहानि और आजीविका पर असर:

- अचानक आने के कारण **बहुत सी जानें जाती हैं**।
- **2023 में हिमाचल प्रदेश** में आई फ्लैश फ्लड में **400 से अधिक लोगों की मौत** हुई और हजारों विस्थापित हुए।

2. सार्वजनिक सुविधाओं को नुकसान:

- बिजली लाइनें, पेयजल आपूर्ति और मोबाइल नेटवर्क जैसे **महत्वपूर्ण ढांचे नष्ट** हो जाते हैं।
- इससे **बचाव कार्य धीमा** और **महंगा** हो जाता है।

3. भूमि का क्षरण:

- तेज बहाव से **ऊपरी उपजाऊ मिट्टी बह जाती है**, जिससे **भूमि की उर्वरता घटती** है।
- नदियों और बांधों में **गाद जमा** हो जाती है।

4. शहरी समस्याएं: **मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद** जैसे शहरों में **कंक्रीटीकरण** और **नालों पर अतिक्रमण** के कारण पानी तेजी से भर जाता है।

सरकारी पहल:

- **केंद्रीय जल आयोग (CWC)** - देश में बाढ़ पूर्वानुमान और चेतावनी की नोडल संस्था है।
- **भारतीय मौसम विभाग (IMD)** और **अमेरिकी मौसम सेवा** के सहयोग से **Flash Flood Guidance System (FFGS)** विकसित किया गया।
- **राष्ट्रीय हिमनदीय झील विस्फोट बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम (NGRMP) - हिमाचल, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश** में ₹150 करोड़ की लागत से लागू किया गया।

सिफारिशें और अनुकूलन रणनीतियाँ:

1. बाढ़ पूर्वानुमान और चेतावनी:

- **भू-आकृति, जल निकासी, मिट्टी और मौसम डेटा** का समावेश करें।
- **क्षेत्र आधारित मॉडल** बनाएं और **सामुदायिक चेतावनी प्रणाली** को बढ़ावा दें।

2. भूमि उपयोग और शहरी नियोजन:

- **खतरनाक क्षेत्रों में निर्माण पर रोक** लगाएं (जैसे बाढ़ क्षेत्र, ढलान वाली भूमि)।
- **जलवायु सहनशील ढांचा** बनाएं - जैसे ऊँचे मार्ग, पानी सोखने वाले फुटपाथ और बेहतर नाले।

3. आपदा तैयारी:

- **बाढ़ जोखिम मानचित्र** नियमित रूप से अपडेट करें।
- शहरी और ग्रामीण इलाकों में **मॉक ड्रिल (अभ्यास)** कराएं।

4. जलवायु अनुकूल नीति:

- **राष्ट्रीय और राज्य आपदा प्रबंधन** में **जलवायु मॉडल** को शामिल करें।
- **प्राकृतिक उपायों** को बढ़ावा दें - जैसे **आर्द्रभूमि संरक्षण**, **वनीकरण**, और **कैचमेंट एरिया का पुनर्स्थापन**।

न्याय बंधु (Nyaya Bandhu) कानूनी सहायता कार्यक्रम

संदर्भ:

जून 2025 तक, न्याय बंधु ऐप के तहत लगभग 14,888 महिला लाभार्थियों ने पंजीकरण कराया है, जो कानूनी सहायता तक महिलाओं की बढ़ती पहुंच को दर्शाता है।

न्याय बंधु (Pro Bono Legal Service) योजना:

परिचय:

- **न्याय बंधु** एक कार्यक्रम है जो **"Designing Innovative Solutions for Holistic Access to Justice" (DISHA)** योजना के अंतर्गत आता है।
- इसे **2017 में शुरू** किया गया था और यह **विधि और न्याय मंत्रालय** के **न्याय विभाग** द्वारा लागू किया जा रहा है।

उद्देश्य:

- ऐसे वकीलों को पंजीकृत करना जो **नि:शुल्क कानूनी सहायता (Pro Bono)** देना चाहते हैं।
- इन वकीलों को ऐसे लाभार्थियों से जोड़ना जो **Legal Services Authorities Act, 1987** की **धारा 12** के अंतर्गत **नि:शुल्क कानूनी सहायता पाने के पात्र** हैं।

कैसे काम करता है?

- **Nyaya Bandhu मोबाइल ऐप** के माध्यम से:
  - **लाभार्थी (beneficiary)** और **Pro Bono वकील**, दोनों को **ऐप पर पंजीकरण** करना होता है।
  - इसके बाद पात्र लाभार्थियों को वकीलों से **मुफ्त कानूनी सलाह और सहायता** मिलती है।

Pro Bono Clubs (PBCs) की भूमिका

- न्याय बंधु योजना को **दूरदराज के क्षेत्रों में अधिक प्रभावी और पहुंच योग्य** बनाने के लिए देशभर के **कानून विश्वविद्यालयों में Pro Bono क्लब (PBCs)** की स्थापना की गई है।
- ये क्लब ग्रामीण इलाकों में:
  - **कानूनी जागरूकता**
  - **सामुदायिक सहायता**
  - और **न्यायिक सहायता** प्रदान करते हैं।

कवच / Kavach

संदर्भ:

भारतीय रेलवे ने दिल्ली-मुंबई उच्च घनत्व मार्ग के मथुरा-कोटा खंड पर स्वदेशी रेल सुरक्षा प्रणाली 'कवच 4.0' को सफलतापूर्वक लागू किया है।

कवच (Kavach) क्या है?

परिभाषा:

- **कवच** एक स्वदेशी रूप से विकसित **स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली (Automatic Train Protection - ATP system)** है।
- इसे **RDSO (Research Designs and Standards Organisation)** ने **भारतीय उद्योगों के सहयोग** से विकसित किया है।

मुख्य विशेषताएं:

- यह प्रणाली **लोको पायलट** की सहायता करती है ताकि ट्रेनें **निर्धारित गति सीमा** के भीतर ही चलें।
- अगर **लोको पायलट समय पर ब्रेक नहीं लगाता**, तो **कवच अपने आप ब्रेक लगा देता है**।
- **खराब मौसम** (जैसे कोहरा या बारिश) में भी यह प्रणाली **सुरक्षित ढंग से ट्रेन चलाने में मदद करती है**।

उच्चतम सुरक्षा स्तर:

- **Safety Integrity Level - 4 (SIL-4)** मानक के अनुसार डिज़ाइन की गई है।
- इसमें **विफलता की संभावना मात्र 1 बार प्रति 10,000 वर्षों में** होती है – यह सबसे **उच्च सुरक्षा स्तर** माना जाता है।

नवीनतम संस्करण: कवच 4.0:

- **मई 2025** में **'Kavach 4.0'** को मंजूरी मिली है।
- यह संस्करण **160 किमी प्रति घंटे** की गति तक की ट्रेनों के लिए उपयुक्त है।

हिमगिरी / Himgiri

संदर्भ:

भारतीय नौसेना ने उन्नत गाइडेड-मिसाइल फ्रिगेट 'हिमगिरी' को प्राप्त किया है, जो युद्धपोत डिजाइन और निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि को दर्शाता है।

Himgiri के बारे में जानकारी

परियोजना वर्गीकरण

- **Himgiri, nilgiri-Class (Project 17A)** के तहत बनने वाला **तीसरा युद्धपोत** है।
- यह अपनी श्रेणी का पहला युद्धपोत है जिसे **Garden Reach Shipbuilders & Engineers (GRSE), कोलकाता** द्वारा बनाया गया है।
- इसे **Warship Design Bureau (WDB)** ने डिज़ाइन किया है और **Warship Overseeing Team (कोलकाता)** इसकी निगरानी करती है।

डिज़ाइन और क्षमताएँ

मल्टी-मिशन प्लेटफॉर्म: यह युद्धपोत **एंटी-एयर, एंटी-सर्फेस और एंटी-सबमरीन युद्ध** के लिए तैयार है।

स्ट्राइक और डिफेंस सिस्टम

- **BrahMos क्रूज़ मिसाइलें** (जहाज-रोधी और ज़मीन पर हमला करने वाली) लगी हैं।
- **Barak-8 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें (SAM)** सुरक्षा देती हैं।

सर्विलांस और कॉम्बैट सिस्टम: इसमें **AESA रडार** और **एडवांस्ड कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम** लगे हुए हैं।

प्रणोदन प्रणाली: इसमें **डीज़ल और गैस टरबाइन** प्रणोदन प्रणाली का संयोजन है, जो इसे **लचीलापन और गति** प्रदान करता है।

क्रू क्षमता और एविएशन

- यह युद्धपोत **225 नौसैनिकों** को समायोजित कर सकता है।
- इसमें **फुल हेलिकॉप्टर ऑपरेशंस** की सुविधा है।

महत्त्व और योगदान:

स्वदेशी योगदान: इस युद्धपोत का 75% निर्माण स्वदेशी सामग्री से हुआ है।

MSME की भागीदारी: परियोजना में **200 से अधिक MSMEs (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम)** को शामिल किया गया।

पुनर्जन्म: इसका नाम **INS Himgiri** (Leander-Class frigate) के नाम पर रखा गया है, जिसे **6 मई 2025** को **30 वर्षों की सेवा** के बाद डिकमिशन किया गया।

शहीद उधम सिंह / udham singh

संदर्भ:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मां भारती के अमर सपूत शहीद ऊधम सिंह को उनकी 86वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

शहीद उधम सिंह : देशभक्ति और बलिदान की मिसाल

जन्म और परिचय

- जन्म: **1899, सुनाम**, जिला **संगरूर**, पंजाब
- सम्मानजनक उपाधि: **शहीद-ए-आज़म सरदार उधम सिंह** के नाम से प्रसिद्ध

क्रांतिकारी जीवन का मोड़

- **13 अप्रैल 1919** को हुए **जलियांवाला बाग हत्याकांड** से अत्यंत आहत हुए।
- यही घटना उनके क्रांतिकारी मार्ग की प्रेरणा बनी।

वैचारिक प्रभाव

- **भगत सिंह** के विचारों से अत्यधिक प्रभावित थे।
- उनके आदर्शों को अपनाकर स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े।

क्रांतिकारी गतिविधियाँ

- वर्ष **1924 में ग़दर पार्टी** से जुड़े, जिसका उद्देश्य विदेशों में रह रहे भारतीयों को **ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संगठित करना** था।

पहली गिरफ्तारी

- वर्ष **1927 में**, हथियारों के साथ भारत लौटते समय **अवैध हथियार रखने** के आरोप में गिरफ्तार किए गए।
- उन्हें **5 वर्षों की सजा** सुनाई गई।

ऐतिहासिक प्रतिशोध

- **13 मार्च 1940 को, लंदन के कैक्सटन हॉल** में उन्होंने **जनरल माइकल ओ'ड्वायर** (पूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नर, पंजाब) की हत्या कर दी।
- यह वही व्यक्ति था जिसने जलियांवाला बाग नरसंहार का समर्थन किया था।

मुकदमा और बलिदान

उन्हें मुकदमे के बाद **मृत्युदंड** दिया गया।

- **31 जुलाई 1940** को **पेंटनविल जेल, लंदन** में उन्हें **फांसी** दी गई।

स्मृति और सम्मान: **31 जुलाई**, उनका **शहादत दिवस**, पंजाब और हरियाणा में **सरकारी अवकाश** के रूप में मनाया जाता है।

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
इतिहास
अर्थव्यवस्था
भूगोल
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
1500x4
₹6000/-
₹4500/-
रोज़ाना लाइव क्लासेस
साप्ताहिक टेस्ट
क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
लाइव डाउट सेशन
रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न
COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
COURSE FEE
~~₹4000/-~~
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
BBK
Baaten Bazaar ki
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात
Baaten Bazar Ki

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

+ **(FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)**

FREE

EMI AVAILABLE

- Long-Term Investing Foundations
- Principles of Value Investing and Stock
- Portfolio Construction Mastery
- Sectoral Investing
- Stock Picking Framework
- Active Portfolio Management Techniques
- Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR